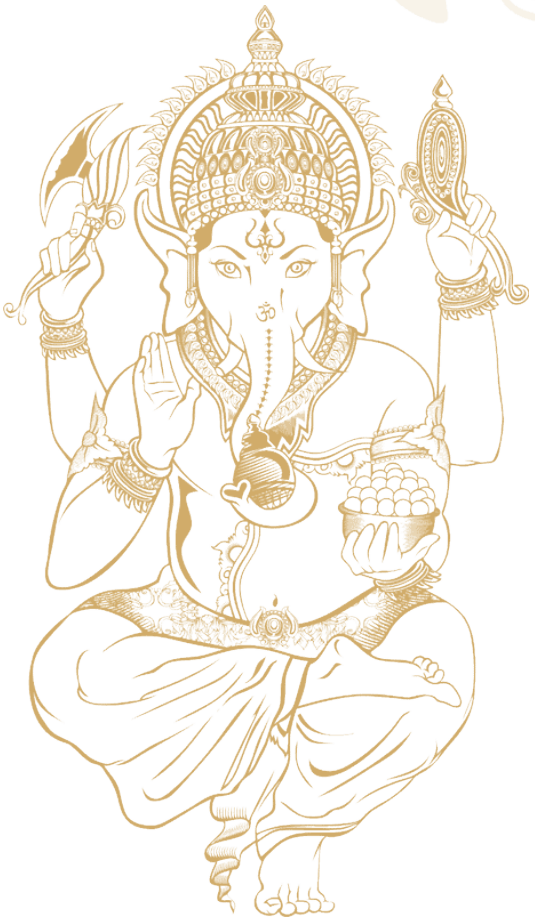

Jatin

Anuradha

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121498803

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
10-11/12/1991	जन्म तिथि	21/12/1991
मंगल-बुधवार	दिन	शनिवार
घंटे 00:07:00	जन्म समय	16:31:00 घंटे
घटी 42:42:37	जन्म समय(घटी)	23:25:45 घटी
India	देश	India
Faridabad	स्थान	Rewari
28:24:00 उत्तर	अक्षांश	28:11:00 उत्तर
77:18:00 पूर्व	रेखांश	76:37:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:20:48	स्थानिक संस्कार	-00:23:32 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:01:57	सूर्योदय	07:10:56
17:25:00	सूर्यास्त	17:31:51
23:44:56	चित्रपक्षीय अयनांश	23:44:58

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
चन्द्र 6वर्ष 5मा 27दि		23:30:04	सिंह	लग्न	वृष	21:48:02	मंगल 0वर्ष 6मा 4दि	
गुरु		24:27:19	वृश्चि	सूर्य	धनु	05:19:21	गुरु	
08/06/2023		14:40:33	मक	चंद्र	मिथु	05:41:27	26/06/2010	
08/06/2039		14:36:01	वृश्चि	मंगल	वृश्चि	22:19:42	26/06/2026	
गुरु	27/07/2025	19:21:56	वृश्चि व	बुध	वृश्चि	14:50:34	गुरु	13/08/2012
शनि	07/02/2028	20:14:17	सिंह	गुरु	सिंह	20:44:10	शनि	24/02/2015
बुध	15/05/2030	11:27:06	तुला	शुक्र	तुला	24:03:21	बुध	01/06/2017
केतु	21/04/2031	09:53:49	मक	शनि	मक	10:57:57	केतु	08/05/2018
शुक्र	20/12/2033	16:09:16	धनु	राहु व	धनु	16:04:57	शुक्र	06/01/2021
सूर्य	08/10/2034	16:09:16	मिथु	केतु व	मिथु	16:04:57	सूर्य	25/10/2021
चन्द्र	07/02/2036	18:41:51	धनु	हर्ष	धनु	19:18:28	चन्द्र	24/02/2023
मंगल	13/01/2037	21:41:38	धनु	नेप	धनु	22:04:27	मंगल	31/01/2024
राहु	08/06/2039	27:37:34	तुला	प्लूटो	तुला	28:00:16	राहु	26/06/2026

लग्न-चलित

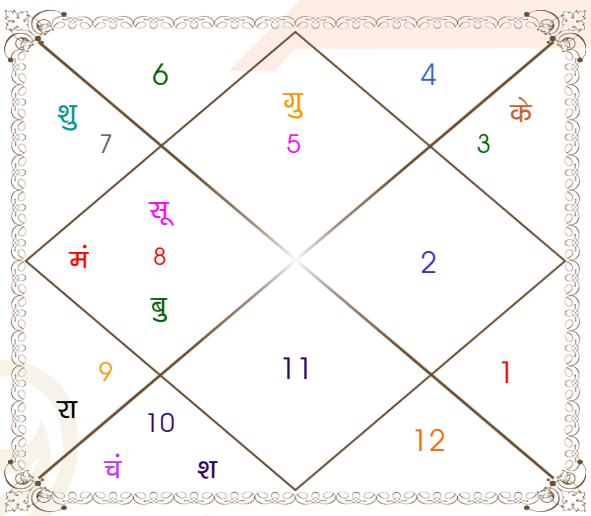

लग्न-चलित

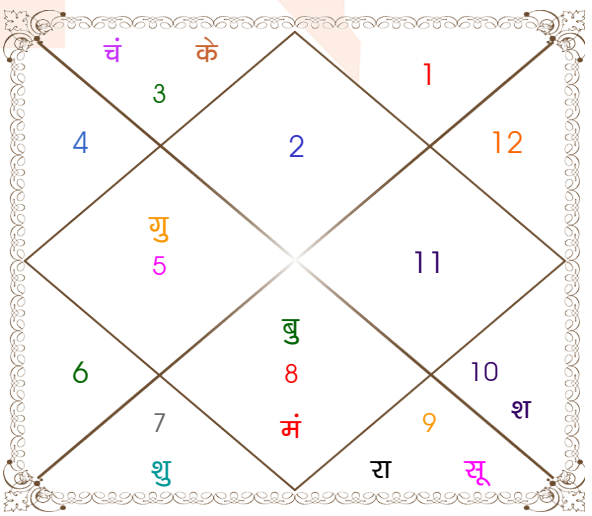

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	अतिमित्र	सम्पत	3	3.00	--	भाग्य
योनि	वानर	सर्प	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	बुध	5	4.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मकर	मिथुन	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	25.00		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

Jatin का वर्ग मार्जार है तथा ।दनतंकीं का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Jatin और ।दनतंकीं का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Jatin मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

अजे लग्ने व्यये चापे पाताले वृश्चिके स्थिते।
वृषे जाये घटे रन्ध्रे भौम दोषो न विद्यते।।

अर्थात् मेष राशि लग्न में, द्वादश में धनुराशि, चतुर्थ में वृश्चिक राशि, सप्तम में वृष राशि तथा अष्टम में कुम्भ राशि में मंगल स्थित हो तो मंगल दोष नहीं होता है। क्योंकि मंगल Jatin कि कुण्डली में चतुर्थ भाव में वृश्चिक राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Jatin कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

।दनतंकीं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।

विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल ।दनतंकीं कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Jatin कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Jatin तथा ।दनतंकीं में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।